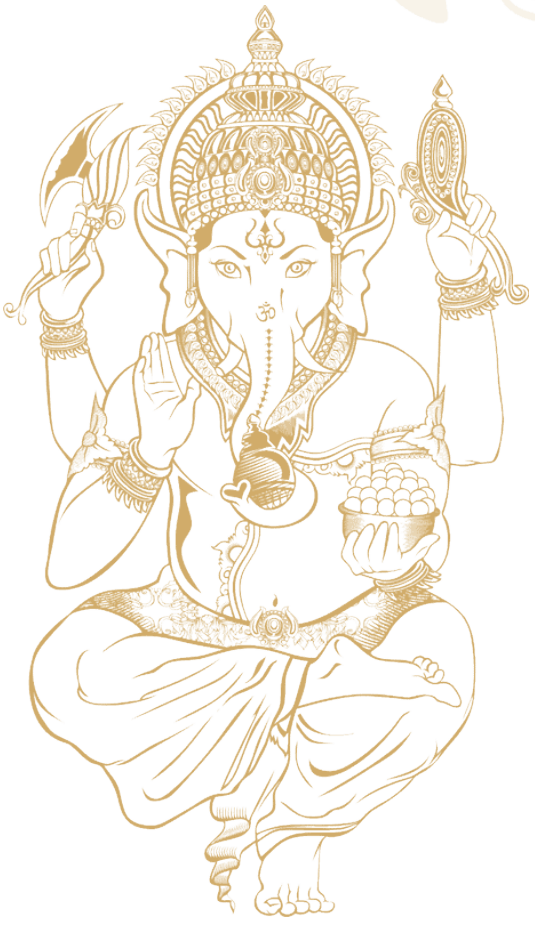

Manesh Saini delhi

Muskaan Saini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121926602

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
02/11/1999 :	जन्म तिथि	: 07/08/2000
मंगलवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 18:02:00 :	जन्म समय	: 18:20:00 घंटे
घटी 29:27:03 :	जन्म समय(घटी)	: 30:56:33 घटी
India :	देश	: India
Hyderabad :	स्थान	: Delhi
17:22:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:15:10 :	सूर्योदय	: 05:45:58
17:44:31 :	सूर्यास्त	: 19:07:14
23:51:02 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:41

विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 4मा 7दि
सूर्य
11/03/2021
12/03/2027

सूर्य	29/06/2021
चन्द्र	28/12/2021
मंगल	05/05/2022
राहु	30/03/2023
गुरु	16/01/2024
शनि	28/12/2024
बुध	04/11/2025
केतु	11/03/2026
शुक्र	12/03/2027

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
21:42:08	मेष		लग्न		मक	08:43:06
15:47:04	तुला		सूर्य		कर्क	21:26:58
10:45:07	सिंह		चंद्र		तुला	27:06:12
18:12:15	धनु		मंगल		कर्क	10:19:35
07:25:29	वृश्चि		बुध		कर्क	06:40:11
04:46:23	मेष	व	गुरु		वृष	13:06:02
29:18:58	सिंह		शुक्र		सिंह	07:07:38
20:10:37	मेष	व	शनि		वृष	05:59:14
14:39:57	कर्क	व	राहु		कर्क	00:35:44
14:39:57	मक	व	केतु		मक	00:35:44
19:03:25	मक		हर्ष	व	मक	25:07:55
07:50:34	मक		नेप	व	मक	11:01:54
15:20:43	वृश्चि		प्लूटो	व	वृश्चि	16:20:20

विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 5मा 21दि
शनि
29/01/2008
29/01/2027

शनि	01/02/2011
बुध	11/10/2013
केतु	20/11/2014
शुक्र	19/01/2018
सूर्य	01/01/2019
चन्द्र	02/08/2020
मंगल	10/09/2021
राहु	17/07/2024
गुरु	29/01/2027

लग्न-चलित

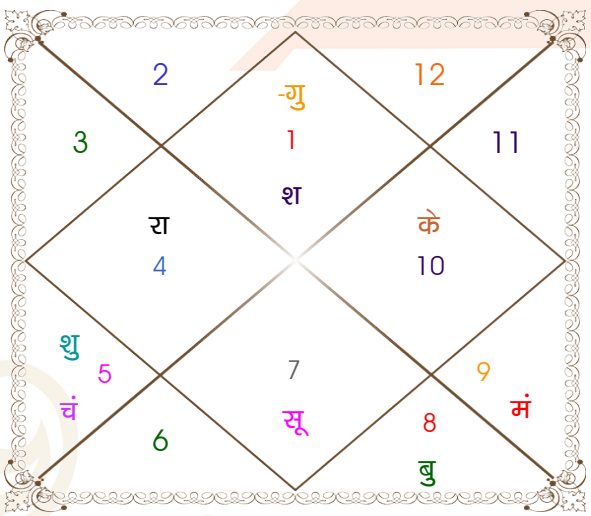

लग्न-चलित

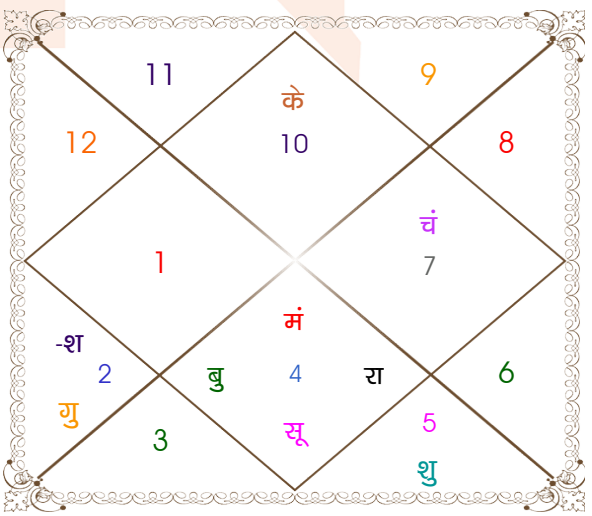

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

डंदर्मी ँपदप कमसीप का वर्ग मूषक है तथा डनेांद ँपदप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदर्मी ँपदप कमसीप और डनेांद ँपदप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदर्मी ँपदप कमसीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डनेांद ँपदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डनेांद ँपदप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डनेांद ँपदप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डनेांद ैपदप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डंदमेीं ैपदप कमसीप तथा डनेांद ैपदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।